लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या –329
उत्तर देने की तारीखः 19.11.2019

दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु अनुकूल शौचालय

329. श्रीमती संध्या रायः
श्री रेबती त्रिपुराः
श्री जी॰ सेल्वम :
श्री विजय कुमार दुबेः
श्री धनुष एम॰ कुमारः

क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु अनुकूल शौचालयों की मांग का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्मित और प्रचालनशील दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु अनुकूल शौचालयों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने हाल ही में दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु अनुकूल शौचालयों के लिए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सन–साधन हैकथॉन आरंभ किया है और यदि हां, तो इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ–साथ तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ग्रामीण और शहरी संदर्भों में उपयोग के लिए किफायती शौचालयों हेतु नवोन्मेषी समाधान आमंत्रित कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उन विद्यार्थियों और स्टार्टअप की संख्या कितनी है, जिन्होंने सक्रिय रूप से इसमें भाग लिया था; और

(ङ) सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के उपयोग हेतु अनुकूल शौचालयों को समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री
(श्री कृष्णपाल गुर्जर)

(क) से (ख): स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) का मुख्य जोर समता पर है, और यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों की विशेष जरूरतों पर ध्यान देता है। शौचालयों की मांग का आकलन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। एसबीएम (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक लगभग 12,12,950 दिव्यांग सुगम्य शौचालयों का निर्माण किया गया। मार्च, 2018 तक एकत्रित आंकड़ों के अनुसार एसबीएम (शहरी) के अंतर्गत लगभग 6,562 दिव्यांग सुगम्य शौचालयों का निर्माण किया गया।

(ग) से (ङ): पेयजल और स्वच्छता विभाग द्वारा सन–साधन हैकथॉन का आयोजन किया गया था और दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य शौचालयों हेतु नवीन विचारों का सृजन करने के लिए दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग के साथ जोड़ा गया। इसमें 21 टीमों ने भाग लिया जिसमें विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए और उन्हें देश भर में इस क्षेत्र में संचालन करने के अवसर प्रदान किए गए। सन–साधन हैकथॉन पुरस्कार समारोह और प्रदर्शनी का आयोजन 14 से 17 सितंबर, 2019 तक किया गया था। इस आयोजन का मूल उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दिव्यांग सुगम्य शौचालयों के लिए संयुक्त और किफायती समाधान बनाने के लिए नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करना था।

भारत सरकार ने 3 दिसम्बर, 2015 को सुगम्य भारत अभियान (एआईसी) का शुभारम्भ किया जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों के लिए निर्मित वातावरण (भवनों), परिवहन और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) परिस्थितिकी तंत्र (इको प्रणाली) में दिव्यांगजनों के लिए सर्व सुलभ सुगम्यता का सृजन करना था। यह अभियान एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और विभिन्न प्रकार के भवनों में दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए सुगम्य वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक सुगम्य शौचालयों में न्यूनतम पहुँच बनाने की व्यवस्था करती है।

*****